14-01-2023

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन तकनीकी सलाहकार नामित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया गया है। श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक का कार्यकाल सन् 2025 तक होगा।

डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री एस. बी. भड ने बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य हैं जो कि चीनी एवं इथेनॉल का उत्पादन करते हैं, किन्तु इस राज्यों में गन्ने की उत्पादकता, चीनी की रिकवरी एवं सह-उत्पादों के बेहतर प्रयोग से संबंधी अनेक समस्या हैं। साथ ही राज्य, चीनी के निर्यात एवं इथेनॉल ब्लेन्डिंग प्रोग्राम में अपनी सहभागिता बढ़ाने चाहते हैं। प्रोफेसर मोहन की गहन जानकारी एवं अनुभव से इन राज्यों के चीनी उद्योग को आगे ले जाने में अत्यधिक सहायता होगी, श्री भड ने कहा।

निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि समग्र प्रयासों से इन राज्यों की चीनी मिलों हेतु एक नये बिजनेस मॉडल को तैयार कर नवीनतम तकनीकों द्वारा आय के स्त्रोत बढ़ाना संभव हो सकेगा।

एनएसआई डायरेक्टर डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के ऑनरेरी टेक्निकल एडवाइजर बने

[illegible]

कानपुर। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया गया है। प्रो नरेंद्र मोहन, निदेशक का कार्यकाल सन् 2025 तक होगा। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. बी. भड ने बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य हैं जो कि चीनी एवं इथेनॉल का उत्पादन करते हैं, किन्तु इस राज्यों में गन्ने की उत्पादकता, चीनी की रिकवरी एवं सह-उत्पादों के बेहतर प्रयोग से संबंधी अनेक समस्या हैं। साथ ही राज्य, चीनी के निर्यात एवं इथेनॉल ब्लेन्डिंग प्रोग्राम में अपनी सहभागिता बढ़ाने चाहते हैं। प्रोफेसर मोहन की गहन जानकारी एवं अनुभव से इन राज्यों के चीनी उद्योग को आगे ले जाने में अत्यधिक सहायता होगी, श्री भड ने कहा। निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि समग्र प्रयासों से इन राज्यों की चीनी मिलों हेतु एक नये बिजनेस मॉडल को तैयार कर नवीनतम तकनीकों द्वारा आय के स्त्रोत बढ़ाना संभव हो सकेगा।

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल के टेक्निकल एडवाइजर बन जाने से एसोसिएशन की शुगर इंडस्ट्री को मिलेगा फायदा

डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन मे

शर्करा संस्थान निदेशक नरेंद्र मोहन ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित

नगराज दर्पण समाचार –कानपुर । डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया है। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. बी. भट ने बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य है जो कि चीनी एवं इथेनॉल का उत्पादन करते हैं किन्तु इस राज्यों में गन्ने की उत्पादकता, चीनी की रिकवरी एवं सह-उत्पादों के बेहतर प्रयोग से संबंधी अनेक समस्या है। साथ ही राज्य चीनी के निर्यात एवं इथेनॉल ब्लेन्डिंग प्रोग्राम में अपनी सहभागिता बढ़ाने चाहते हैं। प्रोफेसर मोहन की गहन जानकारी एवं अनुभव से इन राज्यों के चीनी उद्योग को आगे ले जाने में अत्यधिक सहायता होगी । निदेशक नरेंद्र मोहन का कार्यकाल सन् 2025 तक होगा। शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि समग्र प्रयासों से इन राज्यों की चीनी मिलों हेतु एक नये बिजनेस मॉडल को तैयार कर नवीनतम तकनीकों द्वारा आय के स्त्रोत बढ़ाना संभव हो सकेगा।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन आनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 13 जनवरी। डेक्कन शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन को अपना आनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया गया। प्रो. नरेंद्र मोहन, निदेशक का कार्यकाल वर्ष 2025 तक होगा।

एसोसिएशन के अध्यक्ष एस.बी. भड बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य है जोकि चीनी एवं इथेनाल का उत्पादन करते है। इन राज्यों में गन्ने की उत्पादकता, चीनी की रिकवरी एवं सह उत्पादों के बेहतर प्रयोग से सबंधी अनेक समस्या है। साथ ही राज्य चीनी के निर्यात एव इथेनाल ब्लेडिंग प्रोग्राम में अपनी सहभागिता बढाने चाहते है। प्रो. मोहन की गहन जानकारी एवं अनुभव से इन राज्यों के चीनी उद्योग को आगे ले जाने में अत्यधिक सहायता होगी। निदेशक ने डेक्कन शुगर टेक्नोलाजिस्ट एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहाकि उन्हे विश्वास है समग्र प्रयासो से इन राज्यों की चीनी मिलो के लिए एक नये बिजनेस माडल को तैयार कर नवीनतम तकनीकी द्वारा आय के स्रोत बढ़ाना संभव हो सकेगा।

डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया

ब्यूरो चीफ अभिषेक कठेरिया

कानपुर– डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया गया है। श्री नरेंद्र मोहन, निदेशक का कार्यकाल सन् 2025 तक होगा।डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. बी. भड ने बताया कि महाराष्ट्र एवं कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य हैं जो कि चीनी एवं इथेनॉल का उत्पादन करते हैं,किन्तु इस राज्यों में गन्ने की उत्पादकता, चीनी की रिकवरी एवं सह-उत्पादों के बेहतर प्रयोग से संबंधी अनेक समस्या हैं। साथ ही राज्य, चीनी के निर्यात एवं इथेनॉल ब्लेन्डिंग प्रोग्राम में अपनी सहभागिता बढ़ाने चाहते हैं। प्रोफेसर मोहन की गहन जानकारी एवं अनुभव से इन राज्यों के चीनी उद्योग को आगे ले जाने में अत्यधिक सहायता होगी,भड ने कहा।निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि समग्र प्रयासों से इन राज्यों की चीनी मिलों हेतु एक नये बिजनेस मॉडल को तैयार कर नवीनतम तकनीकों द्वारा आय के स्त्रोत बढ़ाना संभव हो सकेगा।

एक नजर

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन बने तकनीकी सलाहकार

कानपुर। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के प्रोफेसर नरेंद्र मोहन को अपना ऑनरेरी तकनीकी सलाहकार नामित किया है। उसका कार्यकाल वर्ष – 2025 तक रहेगा। डेक्कन शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसएशन के अध्यक्ष एसबी भड ने बताया कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश के बाद अन्य महत्वपूर्ण राज्य हैं जो चीनी और इथेनॉल का उत्पादन करते हैं।

Mohan to take over as TA of Deccan Sugar Technologists' Assn

PNS ■ KANPUR

Prof Narendra Mohan, Director, National Sugar Institute (NSI) will take over as technical advisor (TA) to Deccan Sugar Technologists' Association of India. He will continue as the TA till 2025. This was informed by SS Bhad, President, Deccan Sugar Technologists' Association.

He said in addition to Uttar Pradesh, Maharashtra and Karnataka were two other major sugar and ethanol producing states.

However, the sugar industry in Maharashtra and Karnataka had multiple issues of sugarcane productivity, sugar recovery and in utilisation of by-products for value addition, particularly for contributing in sugar exports and contributing in ethanol blending programme.

He said the in-depth knowledge and experience of Prof Mohan will be of immense utility in taking sugar industry in Deccan area forward.

Prof Mohan thanking the Deccan Sugar Technologist Association for their gesture, expressed confidence in developing improvised business models for sugar factories so as to enhance revenue streams through innovative approach.

Bhad said apart from seasonal nature, the sugar industry also faced other challenges such as old and inefficient methods of production and lack of efficient transportation.

He said another challenge of the industry was that it was still not able to fully utilise the potential of bagasse usage.